अखिलभारतीय आयुर्विज्ञानसंस्थान, भोपाल
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL

Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020
(Public Relation Cell)

Press Note 30th August 2020

कोविड–19 के चिकित्सकीय प्रबंधन के उतकृष्टता केंद्र (सी.ओ.ई.)–एम्स, भोपाल द्वारा कोविड–19 की गहन देखभाल एवं प्रबंधन पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजनः

एम्स, भोपाल को जून 2020 से ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के लिए कोविड–19 के चिकित्सकीय प्रबंधन हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है। उत्कृष्टता केंद्र के तौर पर कार्य करते हुए एम्स, भोपाल, राज्य में कोविड–19 के लिए निर्धारित अस्पतालों के परामर्शदाता संस्थान एवं चिकित्सकीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। यह स्पॉक मॉडल सेंटर, एम्स, भोपाल के संकाय सदस्यों द्वारा कोविड–19 रोगियों के उपचार के दौरान अर्जित ज्ञान, कौशल एवं अनुभवों के प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है। देशभर में यह पहला केंद्र है जहां राज्य के समस्त मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पतालों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

संस्थान के निदेशक प्रो. सरमन सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में दिनांक 27–29.08.2020 तक एम्स, भोपाल में उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत कोविड–19 की गहन देखभाल एवं प्रबंधन पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस पहल को एन.एच.एस., स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, स्वास्थ्य शिक्षा निदेशालय, मध्य प्रदेश, यू.एस.ए.आई.डी.–आर.आई.एस.ई. जोकि यू.एस. एजेंसी द्वारा वित्त पोषित एक वैश्विक परियोजना है एवं Jhpeigo जो कि आर.आई.एस.ई. के लिए कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है।

इस प्रथम कार्यशाला में राज्य के 11 मेडिकल कॉलेजों (विदिशा, सागर, रीवा, छिंदवाड़ा, दतिया, देवास, जबलपुर, शहडोल, रतलाम, शिवपुरी एवं खंडवा) के 21 स्वास्थ्य पेशेवरों (11 चिकित्सक एवं 10 नर्स) ने भाग लिया। विभिन्न डी.सी.एच. के स्वास्थ्य देखभाल दलों को व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से ही इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। तीन

दिवसीय कार्यशाला के प्रतिभागियों को चिकित्सकीय एवं गहन देखभाल तथा प्रबंधन, कोविड–19 का विशेष औषधीय उपचार, इस उपचार में औषध अंतःक्रिया, पुरानी बीमारियों का प्रबंधन, ऑक्सीजन वितरण एवं उपकरण, शव प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की सुरक्षा के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रक्रिया से संबंधित अभ्यास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दूसरे दिन उनको मैकेनिकल वेंटिलेशन पर आधे दिन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

एम्स, भोपाल से डॉ. रजनिश जोशी, डॉ. सौरभ सैगल, डॉ. सागर खड़ंगा, डॉ. जे.पी. शर्मा, डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. अल्केश खुराना, डॉ. निरंजन साहू, डॉ. एस. बालाकृष्णन तथा डॉ. आयुष गुप्ता संसाधन प्रबंधक थे।

प्रशिक्षण के लिए संवादात्मक एवं सहभागितापरक अधिगम प्रक्रिया को अपनाया गया। जिसमें प्रस्तुतिकरण, प्रदर्शन, व्यावहारिक प्रशिक्षण, केस डिसक्शन तथा क्लीनिकल राउंड के अन्तर्गत कोविड आईसीयू एवं कोविड वार्ड में दौरा सम्मिलित हैं। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए छोट–छोटे समूहों में बांटा गया। ताकि प्रशिक्षुओं पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके और समाजिक दूरी के मापदंडों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। सभी प्रतिभागियों को परिसर में आवास उपलब्ध कराया गया।

प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण से काफी लाभ महसूस करते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने महसूस किया कि कार्यशाला उन्हें कोविड–19 प्रबंधन में नवीनतम विकासों के साथ अद्यतन करने में मदद की तथा वे उपरोक्त को अपने संबंधित केन्द्रों पर प्रभावी रूप से लागू करने में सक्षम होंगे। सभी प्रतिभागियों द्वारा इस पहल तथा निरंतर सलाह के लिए एम्स, भोपाल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

आने वाले महीनों में सम्पूर्ण राज्य में क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट के क्षमता में विस्तार के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों (चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिक्स) के 30 और बैचों की योजना है।

Issued By

Dr. Lakshmi Prasad
Addl. MS and PRO